

स्वच्छता ही सेवा 2025

स्रोत: पी.आई.बी

भारत सरकार ने स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2025 अभियान की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं।

- स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2025, [स्वच्छ भारत मशन \(2014\)](#) की गतिको आगे बढ़ाते हुए स्वच्छता और स्वास्थ्य-स्वच्छता के प्रतिभारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है।
- SHS 2025 की थीम 'स्वच्छोत्सव (Swachhotsav)' है, जो उत्सव की भावना को स्वच्छता की ज़िम्मेदारी के साथ जोड़ता है।
- यह अभियान स्वच्छता सेवा, सामूहिक कार्रवाई और जनभागीदारी पर केंद्रित है तथा नागरिकों को स्वच्छ परविश बनाए रखने के लयितीन R's – कम करना (Reduce), पुनः उपयोग (Reuse), पुनर्चक्रण (Recycle) को बढ़ावा देता है।

स्वच्छ भारत मशन (SBM)

- लॉन्च और उद्देश्य: [स्वच्छ भारत मशन \(ग्रामीण\)](#) और [स्वच्छ भारत मशन \(शहरी\)](#) की शुरुआत वर्ष 2014 में की गई थी, जिसका उद्देश्य खुले में शौच को समाप्त करना तथा ग्रामीण एवं शहरी भारत में स्वच्छता में सुधार करना था।
- SBM-ग्रामीण:
 - चरण I (2014–2019): 100% स्वच्छता कवरेज हासिल की गई, 10 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बनाए गए और सभी गाँवों को ODF (खुले में शौच मुक्त) घोषित किया गया।
 - चरण II (2020–2025/26): ODF की स्थितिको बनाए रखने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन और गाँवों को ODF प्लस मॉडल में बदलने पर केंद्रित है।
- SBM-शहरी (SBM-U):
 - चरण I (2014-2021): 4,041 वैधानिक कस्बों में ODF शहरों और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के 100% वैज्ञानिक प्रबंधन को लक्षित किया गया।
 - चरण II/SBM-U 2.0 (2021-2026): 'अपशिष्ट मुक्त' शहरों का लक्ष्य, स्वच्छ व्यवहार को संस्थागत बनाना और [सतत विकास लक्ष्यों \(SDG\) 2030](#) में योगदान देना।
- प्रभाव: SBM ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिससेसार्वजनिक स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता तथा शहरी-ग्रामीण परिवर्तन में योगदान मिला है।

और पढ़ें: [स्वच्छ भारत मशन की यथार्थता](#)